SHRI A.A. RAHIM (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SANDOSH KUMAR P (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI P. WILSON (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. V. SIVADASAN (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. KANIMOZHI NVN SOMU (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, hon. Member, Shri Sushil Kumar Modi to speak about 'concern over increasing incidents of suicide deaths of students in higher educational institutions'.

श्रीमती रंजीत रंजन (छत्तीसगढ़) : सर, मेरा नाम था ...(**व्यवधान**)...

Increasing incidents of suicide deaths of students in higher educational institutes

श्री सुशील कुमार मोदी (बिहार) : उपसभापति महोदय, राजस्थान के कोटा में इस वर्ष 26वीं आत्महत्या की घटना घट चुकी है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : प्लीज़, take your seat.

श्री सुशील कुमार मोदी : महोदय, पिछले एक साल में आत्महत्या की 26 घटनाएं कोटा, राजस्थान में घट चुकी हैं। केवल इसी वर्ष नहीं, बल्कि पांच-छह वर्षों से प्रति वर्ष 25 से 30 नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं। इतना ही नहीं, आईआईटी, आईआईएम, एनआईआईटी और

देश के जो सर्वोच्च इंजीनियरिंग संस्थान हैं, जो हायर एजुकेशन के इंस्टिट्यूट्स हैं, वहां पर भी प्रति वर्ष बड़ी संख्या में नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं। यह सरकार के लिए चिंता का विषय है, चाहे वह केन्द्र की सरकार हो या राज्य की सरकार हो कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में नौजवान आत्महत्या करने के लिए क्यों बाध्य हो रहे हैं। कोटा, राजस्थान में जो लड़के मेडिकल और इंजीनियरिंग की कोचिंग के लिए आते हैं, उनके ऊपर उत्तीर्ण होने के लिए इतना प्रैशर होता है, इतना दबाव होता है कि वे आत्महत्या करने के लिए बाध्य हो रहे हैं। इसी प्रकार आईआईटी, आईआईएम वगैरह जो उच्च शैक्षणिक संस्थान हैं, वहां पर भी बढ़ती हुई आत्महत्या की घटनाएं चिंता का विषय हैं।

मैं सरकार से यह मांग करता हूं कि एक आयोग का गठन किया जाए, जो इस बात की जांच करे कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में नौजवान कोचिंग संस्थानों में आत्महत्या क्यों कर रहे हैं। इसके साथ ही साथ जो एक्सपर्ट्स हैं, जो काउंसलर्स हैं, उनकी बहाली की जाए, ताकि जो लड़के डिप्रेशन में चले जाते हैं, उनकी वे काउंसलिंग कर सकें। ऐसे केंद्रों में मेन्टल हैल्थ क्लिनिक की भी स्थापना की जाए, ताकि जो लड़के डिप्रेशन में हैं, वे वहां जाकर अपना इलाज करा सकें या काउंसलिंग प्राप्त कर सकें। साथ ही साथ आईआईटी, आईआईएम वगैरह के खासकर कोचिंग के जो कोर्सेज़ हैं, उनके बारे में पुनर्विचार किया जाए कि इतना प्रैशर है और इस प्रकार का कठिन सिलेबस है कि उत्तीर्ण होना उनके लिए कठिन हो जाता है। सरकार को उनके पूरे सिलेबस को भी रीडिज़ाइन करने के बारे में विचार करना चाहिए, खासकर कोटा और अन्य कोचिंग संस्थानों में हर किसी का नामांकन हो रहा है। जो भी लड़के वहां पर आते हैं, कोचिंग संस्थान पैसों के लिए उनका एडमिशन ले लेते हैं, क्योंकि उनसे उनको पैसा मिलता है, तो उसके ऊपर भी रोक लगाई जाए। जो बहुत मेधावी छात्र हैं...।

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI DHANANJAY BHIMRAO MAHADIK (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI P. WILSON (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री रामचंद्र जांगड़ा (हरियाणा) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over. Dr. Laxmikant Bajpayee*ji* on the issue of intervention by big business houses in MSME sector.

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी (उत्तर प्रदेश) **:** सर, क्या विषय है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Issue of intervention by big business houses in MSME sector.

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी : सर, हमें तो पता ही नहीं है। यह ज़ीरो ऑवर की सूची में भी नहीं है।

श्री उपसभापति : आपका ज़ीरो ऑवर में यही विषय लिस्टिड है।

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी : सर, लिस्टिड नहीं है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Next is Dr. L. Hanumanthaiah on the issue of 'Demand to take preventive steps to address rising problems of mal-nutrition and anaemia across the country'. ...(*Interruptions*)... Please take your seats. ...(*Interruptions*)... माननीय सदस्यगण, जिनका नाम सूची में है, मैं उसी के अनुसार बुला रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... जिनके नाम सूची में नहीं हैं, उनको मैं नहीं बुला रहा हूं। जिनके नाम सूची में हैं, मैं उनको ही बुला रहा हूं। Now Dr. L. Hanumanthaiah*ji*.

Need to take preventive steps to address the rising problems of malnutrition and Anaemia across the country

DR. L. HANUMANTHAIAH (Karnataka): Mr. Deputy Chairman, Sir, I rise today to urgently address the pervasive issues of mal-nutrition and anaemia plaguing millions of people across the country. Despite economic progress, our nation grapples with alarming rates, particularly affecting vulnerable population like children, women and the marginalised sections of the society. In the latest NFHS Report, the prevalence of anaemia has shown a significant increase in children, aged from 6 months to 5 years, experiencing a jump from 59 per cent to 67 per cent. This is an alarming state of affairs. Women, especially in rural areas, have been suffering from high rate of anaemia, adversely affecting maternal health and contributing to pregnancy complications. An increase in anaemia is seen from 53 per cent to 57 per cent in all